



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 4
PART II—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 23, 1981/आश्विन 1, 1903

No. 19]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 23, 1981/ASVINA 1, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रक्षा मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1981

कां०नि०आ० 23ई०.—जबकि छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 280 की उपधारा (1) के अनुसार 25 मई, 1981 के भारत के असाधारण राजपत्र भाग-2, खंड-4 में प्रकाशित, भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय के 23 मई, 1981 के कां०नि०आ० 16-ई में प्रकाशित सैनिक भूमि तथा छावनी सेवा (समूह "क") नियमावली 1981 के प्रावधान से प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों ने आपत्तियां तथा मुद्दाब, 21 अगस्त, 1981 तक धामनित्र किए गए थे; और

जबकि पूर्वोक्त राजपत्र 23 जून, 1981 को उपलब्ध करा दिया गया था; और

जबकि विनिर्दिष्ट निधि से पहले सभी आपत्तियों तथा मुद्दाबों पर केन्द्रीय सरकार ने विधिवत विचार किया है;

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 280 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, नामतः—

नियम

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभः—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सैनिक भूमि और छावनी सेवा (समूह "क") नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएंः—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा प्रेषित न होंः—

(क) "आयोग" से संघ लोक सेवा आयोग अभिप्रेत है।

(ख) "कर्तव्य पद" से अनुसूची 1 में सम्मिलित, कोई स्थाई या अस्थायी पद अभिप्रेत है;

(ग) "परीक्षा" से सेवा और ऐसी अन्य सेवा या सेवाओं में जो सरकार द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाएं, भर्ती के लिए आयोग द्वारा ली जाने वाली सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा, जिसमें एक प्रारंभिक परीक्षा और एक मुख्य परीक्षा है, अभिप्रेत है;

(घ) "सरकार" से केन्द्रीय सरकार अभिप्रेत है;

(ङ) "श्रेणी" से सेवा की कोई श्रेणी अभिप्रेत है;

(च) किसी श्रेणी के संबंध में "नियमित सेवा" से, उस श्रेणी में शीर्षकालीन नियुक्ति के लिए विहित प्रक्रिया के अनुसार नियुक्त के पश्चात् श्रेणी में की गई सेवा की अवधि या अवधियां अभिप्रेत हैं और इसके अन्तर्गत ऐसी अवधि या अवधियां भी हैं;

(1) जो सेवा के प्रारंभिक गठन पर नियुक्त व्यक्तियों की दशा में जेष्ठता के प्रयोजन के लिए गणना में ली जाती है।

(2) जिन के दौरान कोई अधिकारी श्रेणी में कर्तव्य पद धारण करता यदि वह छुट्टी पर होने के कारण या ऐसे पद को धारण करने के लिए अन्यथा अनुपलब्ध न होता।

छ) "अनुसूची" से इन नियमों की अनुसूची अभिप्रेत है;

(ज) "अनुसूचित जातियों" और "अनुसूचित जनजातियों" के बही अर्थ होंगे जो संविधान के अनुच्छेद 366 के खंड (21) और (25) में हैं ;

(झ) "सेवा" से नियम 3 के अधीन गठित सैनिक भूमि और छावनी सेवा (समूह "क") अभिप्रेत है।

3. सैनिक भूमि और छावनी सेवा (समूह "क") का गठन:— "सैनिक भूमि और छावनी सेवा (समूह "क")" नाम से एक सेवा का गठन किया जाएगा जिसमें नियम 6 और 7 के अधीन सेवा में नियुक्त किए गए व्यक्ति होंगे। सेवा में सम्मिलित सभी पर समूह "क" के रूप में वर्गीकृत किए जाएंगे।

4. श्रेणियाँ, प्राधिकृत संख्या और उसका पुनर्वितरण:—(1) इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख को सेवा की विभिन्न श्रेणियों में सम्मिलित कर्तव्य पद, उनकी संख्या और वेतनमान वे होंगे जो अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट हैं।

(2) इन नियमों के प्रारम्भ के पश्चात्, विभिन्न श्रेणियों में पदों की प्राधिकृत स्थायी संख्या वह होगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाए।

(3) सरकार, कर्तव्य पदों की संख्या में अस्थायी वृद्धियाँ या कमी जो समय-समय पर वह आवश्यक समझे कर सकेगी।

(4) सरकार, आयोग के परामर्श से, अनुसूची 1 में सम्मिलित पदों से भिन्न सेवा किसी पद की सेवा में सम्मिलित कर सकेगी या उक्त अनुसूची में सम्मिलित किसी पद को सेवा से हटा सकेगी।

(5) सरकार, आयोग परामर्श से, किसी ऐसे अधिकारी को, जिसका पद उपनियम (4) के अधीन सेवा में सम्मिलित है, सेवा की समुचित श्रेणी में अस्थायी हैसियत या अधिष्ठायी हैसियत में, जैसा उपयुक्त समझा जाए नियुक्त कर सकेगी और सबूत श्रेणी में उसकी निरंतर नियमित सेवा की गणना में लेने के पश्चात् श्रेणी में उसकी ज्येष्ठता नियत कर सकेगी।

5. सेवा के सदस्य:—(1) निम्नलिखित व्यक्ति सेवा के सदस्य होंगे:—

(क) इन नियमों के प्रारम्भ के समय नियम 6 के अधीन सेवा में नियुक्त किए गए व्यक्ति ऐसे प्रारम्भ की तारीख से ;

(ख) इन नियमों के प्रारम्भ के पश्चात्, कर्तव्य पदों पर नियुक्त किए गए व्यक्ति, उस तारीख से, जिस तारीख को वे इस प्रकार नियुक्त किए जाते हैं ;

(2) उपनियम (1) के खंड (क) के अधीन नियुक्त किया गया व्यक्ति, ऐसे प्रारम्भ पर, तत्स्थानी श्रेणी में सेवा का सबस्य समझा जाएगा।

(3) इस नियम के उपनियम (1) के खंड (ख) के अधीन नियुक्त किया गया व्यक्ति ऐसी नियुक्ति की तारीख से, तत्स्थानी श्रेणी में सेवा का सदस्य होगा।

6. सेवा के आरंभिक गठन:—(1) इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख को सैनिक भूमि और छावनी सेवा के सभी समूह "क" अधिकारी, सेवा में उन तत्स्थानी पदों या श्रेणियों में, जिन्हें वह ऐसे प्रारम्भ के पूर्व नियमित आधार पर धारण कर रहे थे, नियुक्त किए गए समझे जाएंगे।

टिप्पण:—सेवा में अधिकारियों की नियुक्ति के पूर्व उपर उपनियम (1) में उल्लिखित तत्स्थानी श्रेणियों में की गई नियमित निरंतर सेवा को, सेवा में प्रोन्नति, पुष्टि और पेंशन के लिए अर्हक सेवा के प्रयोजन के लिए गणना में लिया जाएगा।

(2) उस सीमा तक जिस तक कि सेवा में विभिन्न श्रेणियों की प्राधिकृत नियमित संख्या आरंभिक गठन के समय भरी नहीं जाती है वह नियम 7 के अनुसार भरी जाएगी।

7. सेवा का भावी अनुसूचन:—(1) नियम 6 के अनुसार प्राधिकारियों की नियुक्ति सेवा का आरंभिक गठन पूर्ण हो जाने के पश्चात् रिक्रियत डम रीन में भरी जाएगी जो इसमें इसके पश्चात् उपबन्धित है।

(2) समूह "क" कनिष्ठ वेतनमान में अधिष्ठायी रिक्रियतों का 75% आयोग द्वारा अनुसूची 2 में यथाविनिर्दिष्ट शैक्षिक अर्हता और आयु-सीमा तथा परीक्षा की उस स्कीम के अनुसार जो केन्द्रिय सरकार द्वारा आयोग के परामर्श से समय-समय पर अधिसूचित की जाए, ली गई प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर सीधी भर्ती द्वारा भरा जाएगा। शेष 25% अधिष्ठायी और सभी अस्थायी रिक्रियतों को, योग्यता के अनुसार चयन के आधार पर प्रोन्नति द्वारा उन व्यक्तियों को, जो उस श्रेणी के पैल में हैं, मिश्रित तब के जब कि कोई व्यक्ति अपनी पारी में ऐसी नियुक्ति के लिए उपयुक्त नहीं समझा जाता है, जिसके कारणों को देखबद्ध किया जाएगा, पैल में उनकी ज्येष्ठता के क्रम में नियुक्ति द्वारा भरा जाएगा।

(3) उपनियम (2) में निर्दिष्ट पैल, छावनी कार्यपालक अधिकारी सेवा (समूह "ख") और सहायक सैनिक सम्पदा अधिकारी सेवा (समूह "ख") के ऐसे अधिकारियों में से, जिन्होंने अपनी-अपनी श्रेणी में कम से कम तीन वर्ष की सेवा की है, 1:1 के अनुपात में योग्यता के अनुसार चयन के आधार पर तैयार किया जाएगा।

(4) सेवा के समूह "क" ज्येष्ठ वेतनमान और उससे ऊपर के पदों पर नियुक्तियाँ, अगली निम्नतर श्रेणी में के ऐसे अधिकारियों की प्रोन्नति द्वारा की जाएगी जिन्होंने अनुसूची 3 में यथाविनिर्दिष्ट न्यूनतम अर्हक सेवा की है।

(5) प्रोन्नतियों के लिए अधिकारियों का चयन, अनुसूची 4 में दर्शित संरचना के अनुसार गठित विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिश पर योग्यता के अनुसार चयन द्वारा किया जाएगा (समूह "क" ज्येष्ठ वेतनमान के पदों पर प्रोन्नति के मामलों को छोड़कर जिन पर प्रोन्नति अयोग्य व्यक्तियों को अस्वीकृत करने की जर्न के अधीन रहते हुए ज्येष्ठता के क्रम में की जाएगी)।

8. परीक्षा:—(1) सेवा की श्रेणी में नियुक्त व्यक्ति, चाहे वे सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किए गए हैं चाहे प्रोन्नति द्वारा, दो वर्ष की अवधि के लिए कनिष्ठ वेतनमान में परीक्षा पर रहेंगे।

परन्तु सरकार परीक्षा के दौरान असंतोषप्रव अनुपादन के लिए या विभागीय परीक्षा में असफल होने या प्रशिक्षण पूरा करने में असफल होने या किसी अन्य कारण से जिसके कारण लेखबद्ध किए जाएंगे किसी व्यक्ति की परीक्षा की अवधि बढ़ा सकती है।

परन्तु यह और कि परीक्षा की अवधि बढ़ाने की बाबत विनिश्चय आरंभिक परीक्षा की अवधि समाप्त होने के तुरन्त पश्चात् सामूची तौर पर 6 से 8 सप्ताह के भीतर, लिया जाएगा और उसके कारणों सहित मन्वद्ध व्यक्ति को संसूचित किया जाएगा।

(2) परीक्षा की अवधि पूर्ण होने पर, व्यक्तियों को, यदि उन्हें स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त पाया जाता है तो, यथास्थिति, उनकी नियुक्ति की पुष्टि की जाएगी या उन्हें उनकी नियुक्ति पर नियमित आधार पर रखा जाएगा और सम्बन्ध अनुक्रम में उपलब्ध अधिष्ठायी रिक्रियतों में उनकी पुष्टि की जाएगी।

(3) यदि, उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट यथास्थिति, परीक्षा की अवधि या उसकी बढ़ाई गयी अवधि के दौरान, सरकार की यह राय है कि कोई अभ्यर्थी स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त नहीं है या यदि ऐसी परीक्षा की अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि के दौरान सरकार का यह समाधान हो जाता है कि अभ्यर्थी ऐसी परीक्षा की अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त नहीं

हंगा तो सरकार कारणों को लेखबद्ध करके अभ्यर्थी को यथास्थिति, सेवोन्मुक्त कर सकती है या उसे उसके अधिष्ठाया पद पर प्रतिवर्तित कर सकती है या ऐसे आदेश पारित कर सकती है जो वह ठीक समझे।

(4) परीक्षा की अवधि के दौरान, सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किए गए व्यक्तियों में, परीक्षा की संतोषप्रद रूप से पूर्ण करने की एक शर्त के रूप में केन्द्रीय सरकार ऐसे प्रणिक्षण पाठ्यक्रम अनुदेश, परीक्षाएं और परीक्षण (जिनके अन्तर्गत हिन्दी परीक्षा और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत परीक्षण भी है) लेने की अपेक्षा कर सकेगी जो वह ठीक समझे।

परन्तु किसी ऐसे परीक्षाधीन व्यक्ति की दशा में, जो ऐसा परीक्षण उत्तीर्ण नहीं कर पाता उसकी वह पहली बेतनवृद्धि जिसे वह परीक्षण का परिणाम घोषित किए जाने के पश्चात् पाने का हकदार हो जाता है एक वर्ष के लिए या उस तारीख तक के लिए जिसको वह आगामी बेतनवृद्धि का हकदार हो जाता है, इनमें से जो भी पूर्ववर्ती हो, मूल्यवी कर दी जाएगी।

9. सेवा, सदस्यों की सेवा में नियुक्त तैनाती और स्थानान्तरण :—सेवा में सभी नियुक्तियों सरकार द्वारा की जाएंगी और सेवा के सदस्यों की तैनातियाँ और उनका स्थानान्तरण महानिदेशक, रक्षा भूमि और छावनी द्वारा किए जाएंगे।

10. भारत के किसी भी भाग में या भारत से बाहर सेवा करने का दायित्व और सेवा की अन्य शर्तें:—(1) सेवा में नियुक्त किए गए अधिकारी भारत में कहीं भी या भारत से बाहर सेवा करने के दायी होंगे।

(2) वे अधिकारी जो यदि प्रतिनियुक्त किए जाएं, भारत सरकार के किसी अन्य मंत्रालय या विभाग या भारत सरकार के अधीन किसी निगम या औद्योगिक उपक्रम में सेवा करने के दायी होंगे।

(3) सेवा के सदस्यों की सेवा की शर्तें उन मामलों की बाबत जिनके लिए इन नियमों में उपबन्ध नहीं किए गए हैं, वैसी ही होंगी जो आचारणतः केन्द्रीय मिविल सेवा के अधिकारियों को समय-समय पर लागू होती है।

11. निरहताएं:—वह व्यक्ति,—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुशेष है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

12. शिथिल करने की शक्ति:—जहां सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा आयोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

13. व्यावृत्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, प्राप्ति सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

14. निर्वाचन:—यदि इन नियमों के निर्वाचन के संबंध में कोई प्रश्न उठता है तो उसका द्दिनिश्चय सरकार द्वारा किया जाएगा।

15. निरसन:—समय-समय पर यथासंशोधित और जहाँ तक कि वे इन नियमों के अधीन आने वाले समूह "क" पदों को लागू होते हैं, सैनिक भूमि और छावनी सेवा (वर्ग "क" और वर्ग "ख") नियम, 1951 इसके द्वारा निरसित किए जाते हैं।

परन्तु ऐसा निरसन ऐसे निरसन से पहले उक्त नियमों के अधीन की गई किसी बात या कार्यवाई पर प्रभाव नहीं डालेगा तबनुसार होने रहेंगे।

अनुसूची 1

[नियम 2 का खण्ड (ख) और विनियम 4 का उपविनियम (1) देखिए]

सैनिक भूमि और छावनी सेवा (समूह "क") की विभिन्न श्रेणियों में सम्मिलित कर्तव्य पदों का नाम, उनकी संख्या और उनके बेतनमान

क्रम सं०	पद का नाम	पदों की संख्या	बेतनमान
1.	महानिदेशक	1	2500-125/2-2750 रु०
2.	निदेशक/उपमहानिदेशक	9	2000-125/2-2500 रु०
3.	संयुक्त निदेशक	5	2000-125/2-2250 रु०
4.	उपनिदेशक/सहायक महानिदेशक	11	1500-60-1800-100-2000 रु०
5.	सहायक निदेशक/उप सहायक महानिदेशक/सैनिक सम्पदा अधिकारी/छावनी कार्यपालक (ज्येष्ठ बेतनमान)	56	1100 (6वां वर्ष या कम) 50-1600 रु० अनुसूची 3 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए।
6.	छावनी कार्यपालक अधिकारी (फर्निष्ठ बेतनमान)	34	700-1300 रु०

अनुसूची 2

[नियम 7 का उपनियम (2) देखिए]

सैन्य लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के लिए सैनिक भूमि और छावनी सेवा (समूह "क") के समूह "क" कनिष्ठ वेतनमान के पदों पर सीधी भर्तियों के लिए न्यूनतम शैक्षिक अर्हताएं और आयु-सीमा :

अभ्यर्थी,

- (1) भारत के केन्द्रीय या किसी राज्य विधान मण्डल के किसी अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय या संसद के किसी अधिनियम द्वारा स्थापित किसी अन्य शिक्षा संस्था या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन घोषित किए समझे गए विश्वविद्यालय या केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर अनुमोदित विदेशी विश्वविद्यालय की उपाधि रखता हो या ऐसी अर्हताएं रखता हो जिन्हें सरकार द्वारा परीक्षा में प्रवेश के प्रयोजन के लिए मान्यता दी गई है।
- (2) उस वर्ष की 1 जनवरी, को, जिस वर्ष में परीक्षा होती है, 21 वर्ष की आयु का हो किन्तु 28 वर्ष से अधिक आयु का न हो।

अनुसूची 3

[नियम 7 का उपनियम (2), (3) और (4) देखिए]

सैनिक भूमि और छावनी सेवा (समूह "क") की विभिन्न श्रेणियों में सम्मिलित कर्तव्य पदों पर भर्तियों की पद्धति, प्रोन्नति का क्षेत्र और प्रोन्नति पर अधिकारियों की नियुक्ति के लिए ठीक नीचे वाली निम्नतर श्रेणी में की गई न्यूनतम अर्हक सेवा :—

क्रम सं०	पद का नाम	भर्तियों की पद्धति	अवकाश का क्षेत्र और प्रोन्नति के लिए न्यूनतम अर्हक सेवा
1.	महानिदेशक (2500-2700 रु०)	प्रोन्नति द्वारा	ऐसे निदेशक/उप महानिदेशक जिन्होंने उस श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की है।
2.	निदेशक/उपमहानिदेशक (2000-2500 रु०)	प्रोन्नति द्वारा	ऐसे संयुक्त निदेशक जिन्होंने उस श्रेणी में 2 वर्ष नियमित सेवा की है।
3.	संयुक्त निदेशक (2000-2250 रु०)	प्रोन्नति द्वारा	ऐसे निदेशक/सहायक महानिदेशक जिन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की है।
4.	उप निदेशक/सहायक महानिदेशक (1500-2000 रु०)	प्रोन्नति द्वारा	ऐसे सहायक निदेशक/उप सहायक महानिदेशक सैनिक सम्पदा अधिकारी/छावनी कार्यपालक अधिकारी (ज्येष्ठ वेतनमान) जिन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की है।
5.	सहायक निदेशक/उप सहायक महानिदेशक/ सैनिक सम्पदा अधिकारी/छावनी कार्यपालक अधिकारी (कनिष्ठ वेतनमान) (1100-1600 रु०)	प्रोन्नति द्वारा (अवकाश के आधार पर)	ऐसे छावनी कार्यपालक अधिकारी (कनिष्ठ वेतनमान) जिन्होंने परीक्षा, जिसके अंतर्गत विधायी परीक्षा उत्तीर्ण करना भी है, सफलता पूर्वक पूरी कर ली है।
6.	छावनी कार्यपालक अधिकारी (कनिष्ठ वेतनमान) (700-1300 रु०)	(1) 25% प्रोन्नति द्वारा (2) 75% नियम 7 के उप नियम (2) के अनुसार सीधी भर्तियों द्वारा	छावनी कार्यपालक अधिकारी सेवा (समूह "ख") और सहायक सैनिक सम्पदा अधिकारी (समूह "ख") के ऐसे अधिकारियों में से 1 : 1 अनुपात में जिन्होंने अपनी-अपनी श्रेणी में 3 वर्ष नियमित सेवा की है।

अनुसूची 4

[नियम 7 का उपनिबन्ध (5) देखिए]

सैनिक भूमि और छावनी सेवा (समूह "क") के समूह 'क' पर्व पर प्रोन्नति और पुष्टि के मामलों पर विचार करने के लिए समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति की संरचना :

क्रम सं०	पदनाम	(प्रोन्नति पर विचार करने के लिए) समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति	(पुष्टि पर विचार करने के लिए) विभागीय प्रोन्नति समिति	समूह "क"
1	2	3	4	
1.	महानिदेशक	(1) अध्यक्ष/सदस्य, सं० लो० से० आ०—अध्यक्ष (2) सचिव/अपर सचिव, रक्षा मंत्रालय—सदस्य	(1) सचिव, रक्षा मंत्रालय (2) अपर सचिव, रक्षा मंत्रालय	—अध्यक्ष —सदस्य
2.	(1) निदेशक/उपमहानिदेशक (2) संयुक्त निदेशक	(1) अध्यक्ष/सदस्य, सं० लो० से० आ०—अध्यक्ष (2) संयुक्त सचिव (पी और डब्ल्यू) रक्षा मंत्रालय—सदस्य	(1) सचिव, अपर सचिव रक्षा मं० (2) संयुक्त सचिव (पी० और डब्ल्यू) रक्षा मंत्रालय	—अध्यक्ष —सदस्य
	(3) उप निदेशक/सहायक महानिदेशक	(3) महानिदेशक, डी एल और सी—सदस्य	(3) महानिदेशक, डी०एल० और सी०	—सदस्य
3.	सहायक निदेशक/ उप सहायक महानिदेशक/ सैनिक सम्पदा अधिकारी/छावनी कार्यपालक अधिकारी (उपेष्ट वेतनमान)	(1) संयुक्त सचिव (पी और डब्ल्यू) रक्षा मंत्रालय—अध्यक्ष (2) महानिदेशक/ उपमहानिदेशक, डी०, एल और सी—सदस्य (3) उप सचिव (सी पी) रक्षा मंत्रालय—सदस्य	(1) संयुक्त सचिव (पी और डब्ल्यू) (रक्षा मंत्रालय) (2) महानिदेशक/उपमहानिदेशक डी एल और सी (3) उप सचिव (सी पी) रक्षा मंत्रालय	—अध्यक्ष —सदस्य —सदस्य
4.	छावनी कार्यपालक अधिकारी (कनिष्ठ वेतनमान)	(1) अध्यक्ष/सदस्य—सं० लो० से० आ०—अध्यक्ष (2) संयुक्त सचिव (पी और डब्ल्यू) रक्षा मंत्रालय—सदस्य (3) महानिदेशक, डी एल और सी—सदस्य	(1) संयुक्त सचिव (पी और डब्ल्यू), रक्षा मंत्रालय (2) महानिदेशक/उपमहानिदेशक डी एल और सी (3) उप सचिव (सी पी) रक्षा मंत्रालय	—अध्यक्ष —सदस्य —सदस्य

टिप्पण 1 :— यदि समिति के आधे से अधिक सदस्य उनके अधिवेशन में उपस्थित रहे थे तो आयोग के अध्यक्ष या सदस्य में बिना किसी सदस्य के अनुपस्थित रहने में, समिति की कार्यवाही अवधिमान्य नहीं होगी।

टिप्पण 2 :— पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां आयोग के अनुमोदितार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु, यदि आयोग इनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति को बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

टिप्पण 3 :— यदि सेवा के किसी पद पर नियुक्त किसी अधिकारी के मामले पर उच्चतर पद में प्रोन्नति के प्रयोजन के लिए विचार किया जाना है तो श्रेणी में उससे उपेष्ट सभी व्यक्तियों के मामले पर भी, इस बात को विचार में लाए बिना कि उन्होंने अपेक्षित बर्षों की सेवा नहीं की है, विचार किया जाएगा।

[फा० सं० 103/44 / ए डी एम / एल एण्ड सी बास्कुम II]

सी० बी० नारायणन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd September, 1981

S.R.O. 23(E).—Whereas draft of the Military Lands and Cantonments Service (Group 'A') Rules, 1981 was published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 16-E dated the 23rd May, 1981 in the Gazette of India, Extraordinary, Part II Section 4

dated the 25th May, 1981 as required by sub-section (1) of section 280 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), for inviting objections and suggestions from all the persons likely to be affected thereby till the 21st August, 1981 ;

And whereas the aforesaid Gazette was made available to the public on the 23rd June, 1981 ;

And whereas all the objections and suggestions received before the date specified have been duly considered by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 280 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

RULES

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Military Land and Cantonments Service (Group 'A') Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,

- (a) "Commission" means the Union Public Service Commission ;
- (b) "Duty Post" means any post, whether permanent or temporary, included in Schedule I;
- (c) "Examination" means a combined competitive examination consisting of a preliminary examination and a main examination conducted by the Commission for recruitment to the Service and such other Service or Services as may be specified by the Government from time to time ;
- (d) "Government" means the Central Government ;
- (e) "Grade" means a grade of the Service ;
- (f) "Regular Service" in relation to any grade means the period or periods of service in the grade rendered after selection, according to prescribed procedure, for a long term appointment to that grade and includes any period or periods :—
 - (i) taken into account for purposes of seniority in the case of those appointed at the initial constitution of the Service ;
 - (ii) during which an officer would have held a duty post in the grade but for being on leave or otherwise not being available for holding such post ;
- (g) "Schedule" means a Schedule to these rules ;
- (h) "Scheduled Castes" and "Scheduled Tribes" shall, respectively, have the same meaning as in clauses (24) and (25) of article 366 of the Constitution ;
- (i) "Service" means the Military Lands and Cantonments Service (Group 'A') constituted under rule 3.

3. Constitution of the Military Lands and Cantonments Service (Group 'A').—There shall be constituted a Service known as "the Military Lands and Cantonments Service (Group 'A')" consisting of persons appointed to the Service under rules 6 and 7. All the posts included in the Service shall be classified as "Group 'A' " posts.

4. Grades, authorised strength and its review.—(1) The duty posts included in the various grades of the Service, their number and scales of pay on the date of commencement of these rules shall be as specified in Schedule I.

(2) After the commencement of these rules, the authorised permanent strength of the duty posts in various grades shall be such as may, from time to time, be determined by the Government.

(3) The Government may make temporary additions to or deletions from the strength of the duty posts in various grades as it may deem necessary from time to time.

(4) The Government may, in consultation with the Commission, include in the Service any post other than those included in Schedule I or exclude from the Service a post included in the said Schedule.

(5) The Government may, in consultation with the Commission, appoint an officer whose post is included in the

Service under sub-rule (4), to the appropriate grade of the Service in a temporary capacity or in a substantive capacity, as may be deemed fit, and fix his seniority in the grade after taking into account his continuous regular service in the analogous grade.

5. Members of the Service.—(1) The following persons shall be members of the Service, namely :—

- (a) persons appointed to the Service at the commencement of these rules under rule 6 from the date of such commencement ;
- (b) persons appointed to duty posts after the commencement of these rules from the date they are so appointed.

(2) A person appointed under clause (a) of sub-rule (1) shall, on such commencement, be deemed to be a member of the Service in the corresponding grade.

(3) A person appointed under clause (b) of sub-rule (1) shall be a member of the Service in the corresponding grade, from the date of such appointment.

6. Initial constitution of the Service.—(1) All Group 'A' officers in the Military Lands and Cantonment Service on the date of commencement of these rules, shall be deemed to have been appointed to the Service in the posts or grades corresponding to those which they were holding on regular basis before such commencement.

Note.—The regular continuous service of officers mentioned in sub-rule (1) in the respective corresponding grades prior to their appointment to the Service shall count for the purpose of qualifying service for promotion, confirmation and pension in the Service.

(2) To the extent the authorised regular strength of various grades in the Service is not filled at the time of the initial constitution, it shall be filled in accordance with rule 7.

7. Future maintenance of the Service.—(1) After the initial constitution of the Service has been completed by the appointment of officers in accordance with rule 6, vacancies shall be filled in the manner as hereinafter provided.

(2) 75% of the substantive vacancies in Group 'A' Junior scale shall be filled by direct recruitment on the results of a competitive examination conducted by the Commission in accordance with the educational qualifications and age limit as specified in Schedule II and the scheme of examination as may be notified by the Government, in consultation with the Commission, from time to time. The remaining 25% substantive vacancies and all temporary vacancies shall be filled by appointment of persons, by promotion on the basis of selection on merit, included in the panel for this grade in the order of seniority in the panel, except when, for reasons to be recorded in writing, a person is not considered fit for such appointment in his turn.

(3) The panel referred to in sub-rule (2) shall be prepared on the basis of selection on merit in the ratio of 1 : 1 from amongst officers of the Cantonment Executive Officer Service (Group 'B') and Assistant Military Estates Officer Service (Group 'B') who have rendered not less than 3 years' regular service in the respective grades.

(4) Appointment to posts in Group 'A' Senior scale and above of the Service shall be made by promotion from amongst the officers in the next lower grade with the minimum qualifying service as specified in Schedule III.

(5) The selection of officers for promotion shall be made by selection on merit (except in the case of promotion to the posts in Group 'A' Senior scale which shall be in the order of seniority subject to rejection of the unfit) on the recommendations of the Departmental Promotion Committee constituted in accordance with the composition given in Schedule IV.

8. Probation.—(1) Every person on appointment to the service either by direct recruitment or by promotion to the

junior scale shall be on probation for a period of two years :

Provided that the Government may extend the period of probation of any person for unsatisfactory performance during the probation or for failure to pass the departmental examination or for non-completion of training or for any other reasons to be recorded in writing ;

Provided further that the decision regarding extension of period of probation shall be taken immediately after the expiry of the initial period of probation ordinarily within a period of 6 to 8 weeks and communicated to the concerned person together with the reasons for such extension.

(2) On the completion of the period of probation, persons shall, if considered fit for permanent appointment, be confirmed in their appointment, or be retained in their appointment on regular basis and be confirmed in due course against the available substantive vacancies as the case may be.

(3) If during the period of probation referred to in sub-rule (1) or any extension thereof, as the case may be, the Government is of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if, at any time during such period of probation or extension thereof, the Government is satisfied that the candidate will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension thereof, the Government may, for reasons to be recorded in writing, discharge or revert the candidate to his substantive post as the case may be, or pass such orders as it deems fit.

(4) During the period of probation, candidates appointed by direct recruitment may be required by the Government to undergo such course of instruction and examinations and tests in Hindi and the test at the end of the course at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration) as it may deem fit, as a condition to satisfactory completion of the probation :

Provided that in case any of the probationers does not pass such test, the first increment which he would be entitled to draw after the results of the test are announced, shall be postponed by one year or upto the date on which he becomes entitled to the next subsequent increment, whichever is earlier.

9. Appointment to the Service, Postings and Transfers of members of the Service.—All appointments to the Service shall be made by the Government and the postings and transfers of the members of the Service shall be made by the Director General, Defence Lands and Cantonments.

10. Liability to serve in any part of India or outside and other conditions of service.—(1) Officers appointed to the service shall be liable to serve anywhere in India or outside.

(2) Officers, if deputed, shall be liable to serve in, any other Ministry or department of the Government of India or Corporation and Industrial Undertakings under the Government of India.

(3) The conditions of service of the members of the Service in respect of matters for which no provision is made in these rules shall be the same as are applicable, from time to time, to officers of Central Civil Services, in general.

11. Disqualifications.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living ; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the Service :

Provided that the Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

12. Power to relax.—Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

13. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Government from time to time.

14. Interpretation.—If any question relating to the interpretation of these rules arises, it shall be decided by the Government.

15. Repeal.—The Military Lands and Cantonments Service (Group 'A' and Group 'B') Rules, 1951, as amended from time to time, and in so far as they relate to Group 'A' posts covered by these rules, are hereby repealed :

Provided that such repeal shall not affect anything done or action taken under the said rules, before such repeal.

SCHEDULE I

[(See clause (b) of rule 2 and sub-rule (1) of rule 4)]

NAMES, NUMBER AND SCALE OF PAY OF DUTY POSTS INCLUDED IN THE VARIOUS GRADES OF THE MILITARY LANDS AND CANTONMENTS SERVICE (GROUP 'A')

Sl. No.	Name of the post	No. of posts	Scale of pay
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Director General	1	Rs. 2500-125/2-2750
2.	Director/Deputy Director General	9	Rs. 2000-125/2-2500
3.	Joint Director	5	Rs. 2000-125/2-2250
4.	Deputy Director/Assistant Director General	11	Rs. 1500-60-1800-100-2000
5.	Assistant Director/Deputy Assistant Director General/Military Estates Officer/Cantonment Executive Officer (Senior scale)	56	Rs. 1100 (6th year on under)—50-1600, subject to the provisions of Schedule III.
6.	Cantonment Executive Officer (Junior scale)	34	Rs. 700-1300

SCHEDULE II

[See sub-rule (2) of rule 7]

Minimum educational qualifications and age limit for direct recruitment to posts in Group 'A' Junior Scale of the Military Lands and Cantonments Service (Group 'A') for the competitive examination to be conducted by the Union Public Service Commission.

Each candidate must have :

- (i) A degree of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under section 3 of the University Grants Commission Act, 1956, or a foreign University approved by the Government from time to time or possess qualification which has been recognised by the Government for the purpose of admission to the examination.
- (ii) Attained the age of 21 years but must have not attained the age of 28 years on the first day of January of the year in which the examination is held.

SCHEDULE III

(See sub-rules (2), (3) and (4) of rule 7)

Method of recruitment, field of promotion and the minimum qualifying service in the next lower grade for appointment of officers on promotion to duty posts included in the various grades of the Military Lands and Cantonment Service (Group 'A')

Sl. No.	Name of the post	Method of recruitment	Field of selection and the minimum qualifying service for promotion
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Director General (Rs. 2500-2750)	By promotion	Director/Deputy Director General with 3 years regular service in the grade.
2.	Director/Deputy Director General (Rs. 2000-2500)	By promotion	Joint Directors with 2 years' regular service in the grade.
3.	Joint Director (Rs. 2000-2250)	By promotion	Deputy Director/Assistant Director General with 5 years regular service in the grade.
4.	Deputy Director/Assistant Director General (Rs. 1500-2000)	By promotion	Assistant Director/Deputy Assistant Director General/Military Estates Officer/Cantonment Executive Officer (Senior Scale) with 5 years regular service in the grade.
5.	Assistant Director/Deputy Assistant Director General/Military Estates Officer/Cantonment Executive Officer (Senior Scale) (Rs. 1100-1600)	By promotion (on non-selection basis)	Cantonment Executive Officer (Junior Scale) who have successfully completed the probation including passing of Departmental Examination.
6.	Cantonment Executive Officer (Junior scale) (Rs. 700-1300)	(i) 25% by promotion (ii) 75% by direct recruitment in accordance with sub-rule (2) of rule 7.	(i) From amongst officer of the Cantonment Executive Officer Service (Group 'B') and Assistant Military Estates Officer Service (Group 'B') in the ratio of 1 : 1 with 3 years regular service in the respective grades.

SCHEDULE IV

[See sub-rule (5) of rule 7]

Composition of Group 'A' Departmental Promotion Committee considering cases of promotion and confirmation to Group 'A' posts in the Military Lands and Cantonments Service (Group 'A').

Sl. No.	Name of the post	Group 'A' DPC (for considering promotion)	Group 'A' DPC (for considering confirmation)
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Director General	(i) Chairman/Member, UPSC—Chairman (ii) Secretary/Additional Secretary, Ministry of Defence—Member	(i) Secretary, Ministry of Defence—Chairman. (ii) Additional Secretary, Ministry of Defence—Member.

1	2	3	4
2.	(i) Director/Deputy Director General. (ii) Joint Director (iii) Deputy Director/Assistant Director General.	(i) Chairman/Member, UPSC—Chairman. (ii) Joint Secretary (P&W), Ministry of Defence—Member. (iii) Director General, DL & C—Member.	(i) Secretary/Additional Secretary, Ministry of Defence—Chairman. (ii) Joint Secretary (P&W), Ministry of Defence—Member. (iii) Director General, DL & C—Member.
3.	Assistant Director/Deputy Assistant Director General/Military Estates Officer/Cantonment Executive Officer (Senior Scale)	(i) Joint Secretary (P&W), Ministry of Defence—Chairman. (ii) Director General/Deputy Director General, DL&C—Member. (iii) Deputy Secretary (CP), Ministry of Defence—Member.	(i) Joint Secretary (P&W), Ministry of Defence—Chairman. (ii) Director General/Deputy Director General, DL & C—Member. (iii) Deputy Secretary (CP), Ministry of Defence—Member.
4.	Cantonment Executive Officer (Junior Scale)	(i) Chairman/Member, UPSC—Chairman. (ii) Joint Secretary (P&W), Ministry of Defence—Member. (iii) Director General/Deputy Director General, DL & C—Member.	(i) Joint Secretary (P&W), Ministry of Defence—Chairman. (ii) Director General/Deputy Director General, DL & C—Member. (iii) Deputy Secretary (CP), Ministry of Defence—Member.

Note 1 : The absence of a Member, other than the Chairman or a Member of the Commission shall not invalidate the proceedings of the Committee, if more than half the Members of the Committee had attended its meetings.

Note 2 : The proceedings of the DPC relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the DPC to be presided over by the Chairman or a Member of the DPC shall be held.

Note 3 : If an officer appointed to any post in the Service is considered for the purpose of promotion to the higher post, all persons senior to him in the grade shall also be considered not with standing that they may not have rendered the requisite number of years of service.

[F. No. 103/44/ADM/(L & C Vol II)]

C. V. NARAYANAN Jt. Secy.

